साथ रहता है जैसे सब रहते हैं। अतः समूह के सदस्यों के भीतरी इच्छाओं भावनाओं उनके दृष्टिकोणों व व्यवहारों के विषय में सही-सही जानकारी उसे मिल जाती है।

शोध सामग्री का विश्लेषण - शोध में सम्बद्ध परिवर्तनशील लचीला व अस्थायी होता है जिसे कभी भी किसी भी स्तर पर बदला जा सकता है। इसी प्रकार शोध सामग्री भी स्थायी नहीं होती। जितनी भी जानकारी व विचार उपलब्ध होती हैं उनका अनेक प्रकार से प्रतिपरीक्षण किया जाता है अतः लगातार उनकी एक दूसरे के साथ तुलना करके उन्हें संशोधित किया जाता है ताकि एक निश्चित तस्वीर बन सके। रचनाओं के आधार पर जो प्रतिबोध उपलब्ध होते हैं उन्हें उनकी विश्लेषणात्मक व सैद्धान्तिक तौर पर व्याख्या की जाती है। ~~इन्हें~~

परिणामों व निष्कर्षों की प्रस्तुति : जितनी भी जानकारी व तथ्य अध्ययन के बाद उपलब्ध होते हैं उनका आधार में महत्वपूर्ण प्रश्नों के सन्दर्भ में प्रगणन व अवलोकन किया जाता है उन सबको लेकर एक महत्वपूर्ण ताना बाना तैयार किया जाता है व अत्यन्त आर्थिक रूप में उसे प्रस्तुत किया जाता है। उसे जातिवृत्तात्मक अध्ययनों के परिणाम व निष्कर्ष कथन वर्णनात्मक शैली में ही प्रस्तुत किये जाते हैं।

ज्ञान के विकास में योगदान :- इस प्रकार के शोध नये ज्ञान को जन्म देने की भूमिका निभाते हैं इसी प्रकार यदि किसी समस्या को लेकर दूसरे प्रकार के अध्ययनों के द्वारा कुछ निष्कर्ष उपलब्ध हो चुके हैं तो जातिवृत्तात्मक अनुसंधान के माध्यम से नये ढंग से उन पर प्रकाश डाला जा सकता है।

अनुसंधान परिकल्पना

परिकल्पना का अर्थ – शोध सामग्री का संग्रह आ... से पूर्व यह निश्चित कर लेना होता है कि इसके लिए किन दिशाओं में जाना होगा। दिशाओं की ओर संकेत करने वाले सूत्र उन परिकल्पनाओं में निहित रहते हैं जिनका निर्माण अनुसंधानकर्ता अपने अर्जित ज्ञान कल्पना व सृजनशीलता के आधार पर करता है। परिकल्पना के अभाव में उसे शोध सामग्री के लिए इधर उधर भटकना पड़ेगा। "परिकल्पनाएं अनुसंधान पथ प्रदर्शक का कार्य करती हैं।"

टाउनसैंड के शब्दों में "परिकल्पना समस्या का प्रस्तावित उत्तर होती है।"

हैडनेट के शब्दों में "परिकल्पनाएं शोधकर्ता की आँखें हैं जिनके द्वारा वह समस्यागत अव्यवस्था में झाँककर देखता है। उनमें समस्या का समाधान खोजना है।"

परिकल्पना के प्रकार

1. निम्नस्तरीय परिकल्पना
2. उच्चस्तरीय परिकल्पना
3. उच्चतमस्तरीय परिकल्पना

परिकल्पना का महत्व : अनुसंधान में परिकल्पना का बहुत महत्वपूर्ण स्थान है कि कई उद्देश्यों की पूर्ति उनके माध्यम से होती है। इस स्वरूप शोध कर्ता को इधर उधर नहीं भटकना पड़ता निरर्थक तथ्यों व जानकारी के संग्रह से बच जाता है। शोध कर्ता का बहुत समय बच जाता है। शोध के परिणामों को सार्थक रूप से प्रस्तुत करने में परिकल्पना